सात दिवसीय पाठ्यक्रम

जेंडर एवं शिक्षा

स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) एवं निरंतर संस्था, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जेंडर एवं शिक्षा पर सात दिवसीय पाठ्यक्रम की शुरुआत 04 अक्टूबर 2015, रविवार को 10:30 बजे से गुर्रम जाशुवा सभागार, संस्कृति विद्यापीठ में की गयी. कार्यक्रम के की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के द्वारा की गयी. प्रो. गिरीश्वर मिश्र नें निरंतर संस्था से आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें चरखा भेंट किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवन्तिका शुक्ला, संयोजक जेंडर और शिक्षा पाठ्यक्रम ने किया. कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य प्रो. लेला कारुण्यकारा, अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ के द्वारा दिया गया. प्रो. कारुण्यकारा ने स्त्री अध्ययन विभाग और निरंतर संस्था के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस कार्यशाला को बहुत महत्वपूर्ण बताया तथा निरंतर संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए इस कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. उन्होंने वर्तमान में जेंडर और शिक्षा के साथ-साथ दलित महिला विमर्श को भी समझने की आवश्यकता पर जोर डाला. अन्त में उन्होंने स्त्री अध्ययन विभाग को इस कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई दी, इसे आने वाले समय के लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यशाला के सफलता की कामना की.

इसके उपरांत डॉ. सुप्रिया पाठक, प्रभारी विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग, ने जेंडर एवं शिक्षा कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विस्तार से अपने विचार प्रकट किये. निरंतर से आई हुई डॉ. पूर्वा भारद्वाज और सुश्री पूर्णिमा गुप्ता ने जेंडर एवं शिक्षा कार्यशाला के सात दिवसीय पाठ्यक्रम का परिचय कराया. उन्होंने जेंडर और शिक्षा के संबंध के बारे में बताया और कहा की स्त्री अध्ययन विषय को लाने में महिला आंदोलनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है. उद्घाटन की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में जेंडर एवं शिक्षा विषय की महता को समझाते हुए इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यक बताया तथा सभी प्रशिक्षणार्थियों को इसे गंभीरता से समझने के लिए कहते हुए सभी को धन्यवाद दिया.